पुणा International School

Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

Claas-VI

Hindi

Specimen copy

Year- 2020-21

Semester- 2

November

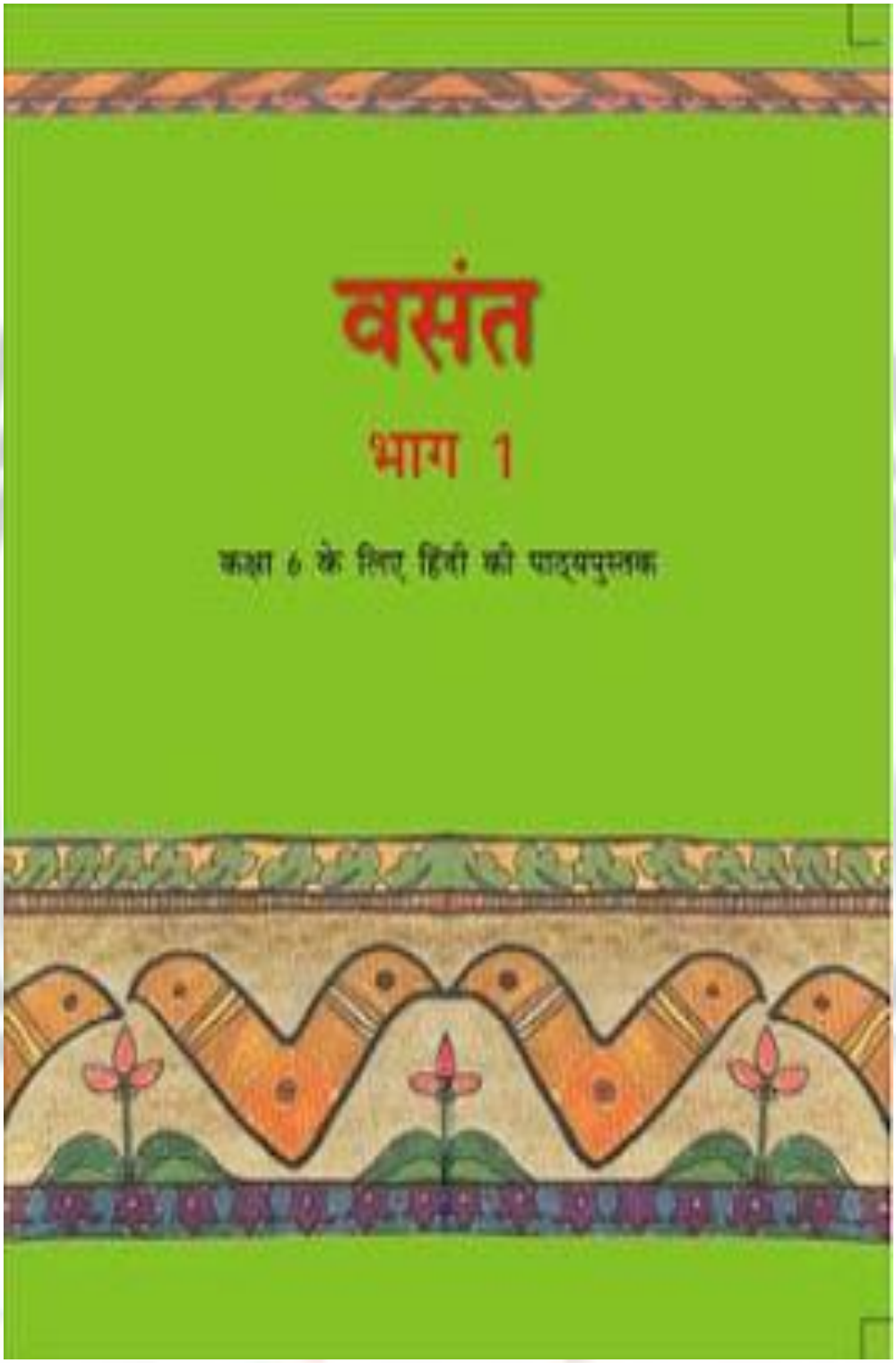
वसंत
भाग 1
कक्षा 6 के लिए हिंदी की पाठ्यपुस्तक

(रामबाल-कथा)
पाठ- 10 लंका में हनुमान

प्रश्न- समुद्र के अंदर कौन सा पर्वत था?
उत्तर- समुद्र के अंदर मैनाक पर्वत था।
प्रश्न- हनुमान की परछाई समुद्र में कैसे दिखती थी?
उत्तर - हनुमान की परछाई समुद्र में नाव की तरह दिखती ।
प्रश्न- सुरसा कौन थी और वह क्या चाहती थी?
उत्तर - सुरसा विराट शरीर वाली राक्षसी थी और वह हनुमान को खा जाना चाहती थी ।
प्रश्न- लंका नगरी को ठीक से देखने के लिए हनुमान ने क्या किया?
उत्तर - लंका नगरी को ठीक से देखने के लिए हनुमान एक पहाड़ी पर चढ़ गए ।
प्रश्न- रावण की रानी का क्या नाम था?
उत्तर- रावण की रानी का नाम मंदोदरी था।
प्रश्न- राक्षसी त्रिजटा ने सपने में क्या देखा?
उत्तर- त्रिजटा ने सपने में देखा कि पूरी लंका समुद्र में डूब गई है।
प्रश्न- हनुमान ने सीता के मन की शंका को कैसे दूर किया?
उत्तर - हनुमान ने पर्वत पर फेंके आभूषणों की याद दिलाकर सीता के मन के संदेह को दूर किया ।
प्रश्न- रावण के पुत्र अक्षकुमार की मृत्यु कैसे हुई?
उत्तर - रावण के पुत्र अक्षकुमार की मृत्यु हनुमान से लड़ते हुए हुई।
प्रश्न- हनुमान अशोक वाटिका की ओर क्यों भागे?
उत्तर- हनुमान को सीता की चिंता थी। उन्हें डर था कि कहीं आग उन तक न पहुँच गई हो इसलिए हनुमान अशोक वाटिका की ओर भागे।
प्रश्न-हनुमान मैनाक पर्वत पर क्यों नहीं रुके?
उत्तर- हनुमान मैनाक पर्वत पर इसलिए नहीं रुके क्योंकि हनुमान को मैनाक की सदिच्छा राम काज में बाधा लगी ।
प्रश्न-लंका जाते समय हनुमान जी और राक्षसी सिंहिका के बीच कैसा संघर्ष हुआ?
उत्तर- सिंहिका एक छाया राक्षसी थी । उसने जल में हनुमान की परछाई पकड़ ली । हनुमान अचानक आसमान में ठहर गए । क्रुद्ध हनुमान ने सिंहिका को मार डाला और आगे बढ़ गए|
प्रश्न-सुरसा कौन थी और वह क्या चाहती थी?
उत्तर - सुरसा विराट शरीर वाली राक्षसी थी और वह हनुमान को खा जाना चाहती थी ।
प्रश्न- हनुमान किस प्रकार राक्षसी सुरसा को दे कर निकल आए?
उत्तर - हनुमान उसे चकमा देकर उसके मुँह में घुसकर निकल आए।
प्रश्न- हनुमान को क्या चिंता थी?
उत्तर - हनुमान को चिंता थी कि वह सीता को कैसे ढूँढेंगे और कैसे पहचानेंगे?
प्रश्न-लंका नगरी को ठीक से देखने के लिए हनुमान ने क्या किया?
उत्तर - लंका नगरी को ठीक से देखने के लिए हनुमान एक पहाड़ी पर चढ़ गए ।
प्रश्न-हनुमान लंका नगरी का एक - एक विवरण आँखों में क्यों भर लेना चाहते थे?
उत्तर - हनुमान लंका नगरी का एक - एक विवरण आँखों में भर लेना चाहते थे ताकि बाद में वह सीता की खोज में काम आए।

पाठ- 12 संसार पुस्तक है
- जवाहरलाल नेहरू

*** शब्दार्थ**

1- आबाद- रहने योग्य
2- मुश्किल- कठिन
3- रोड़ा- पत्थर या ईंट का टुकडा
4- पृष्ठ- पेज़, पन्ना
5- चटटान- शिला
6- पेंदा- तल, आधार
7- बालू- रेत
8- घरौंदे- छोटा घर

*** अतिलघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर**

1- हम इतिहास में क्या पढ़ते हैं?

उत्तर- हम इतिहास में विभिन्न देशों के बीते हुए समय की जानकारी पढ़ते हैं, जैसे हिंदुस्तान और इंग्लैंड का इतिहास।

2- लेखक ने "प्रकृति के अक्षर" किन्हें कहा है?

उत्तरः-लेखक ने प्रकृति के अक्षर चट्टानों के टुकड़े, वृक्षों, पहाड़ों, नदियों, समुद्र, जानवरों की हड्डियाँ आदि को कहा है।

3- दुनिया का हाल जानने के लिए किस बात का ध्यान रखना पड़ेगा?

उत्तर- दुनिया का हाल जानने के लिए दुनिया के सभी देशों और यहाँ बसी सभी जातियों का ध्यान रखना होगा। केवल एक देश जिसमें हम पैदा हुए हैं, की जानकारी प्राप्त कर लेना काफ़ी नहीं है।

4- एक रोड़ा दरिया में लुढ़कता-लुढ़कता किस रूप में बदल जाता है?

उत्तर- रोड़ा दरिया में लुढ़कते-लुढ़कते छोटा होता जाता है और अंत में रेत का कण बन जाता है।

5- पत्थर अपनी कहानी हमें कैसे बताते हैं?

उत्तर- पत्थरों की कहानी उनके ऊपर ही लिखी हुई है। यदि हमें उसे पढ़ने और समझने की दृष्टि हो तो हम यह कहानी जान सकते हैं।

*** लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

1- लेखक ने संसार को पुस्तक क्यों कहा है?

उत्तर- जैसे पुस्तक पढ़कर बहुत-सी जानकारी प्राप्त की जा सकती है, वैसे ही संसार में रहकर भी हमें बहुत-सी जानकारियाँ प्राप्त हो सकती हैं। इसलिए लेखक ने संसार को पुस्तक कहा है।

2- लाखों-करोड़ों वर्ष पहले हमारी धरती कैसी थी?

उत्तरः-लाखों करोड़ों वर्ष पहले हमारी धरती बहुत गर्म थी और उस पर कोई जानदार चीज नहीं रह सकती थी। इसी कारण उस समय धरती पर मनुष्यों का अस्तित्व नहीं था। धीरे-धीरे उसमें परिवर्तन होते गए और धरती में जानवरों और पौधे का जन्म हुआ।

3- दुनिया का पुराना हाल किन चीज़ों से जाना जाता है?

उत्तरः- दुनिया का पुराना हाल चट्टानों के टुकड़े, वृक्षों, पहाड़ों, सितारे, नदियों, समुद्र, जानवरों की हड्डियों आदि चीज़ों से जाना जाता है।

*** दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**

1- नेहरू जी ने पुत्री को क्या सलाह दी?

उत्तर- नेहरू जी ने पुत्री को कहा कि इंग्लैंड केवल एक छोटा-सा टापू है और हिंदुस्तान, जो एक बहुत बड़ा देश है, फिर भी दुनिया का एक छोटा-सा हिस्सा है। अगर तुम्हें इस दुनिया का कुछ हाल जानने का शौक है, जो तुम्हें सब देशों को और उन सब जातियों का जो इसमें बसी हुई हैं, का ध्यान रखना पड़ेगा, केवल उस एक छोटे-से देश का नहीं जिसमें तुम पैदा हुई हो।

2- गोल-चमकीला रोड़ा अपनी क्या कहानी बताता है?

उत्तर- गोल और चमकीला दिखाई देने वाला रोड़ा पहले ऐसा नहीं था। एक समय यह रोड़ा एक चट्टान का टुकड़ा था, जिसमें किनारे और कोने थे। वह किसी पहाड़ के दामन में पड़ा था। जब पानी के साथ बहकर वह नीचे आ गया और घाटी तक पहुँच गया। वहाँ से एक पहाड़ी नाले ने ढकेल कर उसे एक छोटे-से दरिया में पहुँचा दिया। पानी के साथ निरंतर ढकेले जाने के कारण उसके कोने घिस गए। दरिया उसे और आगे बहाकर ले गई। इस प्रकार की निरंतर प्रक्रिया के साथ वह गोल, चमकदार और चिकना हो गया।

3- लेखक ने इस दुनिया की और इस दुनिया के छोटे-बड़े देशों की छोटी-छोटी कथाएँ लिखने का इरादा क्यों किया?

उत्तर- जब लेखक और उनकी पुत्री साथ-साथ रहते थे तो लेखक की पुत्री नेहरू जी से कई प्रश्न पूछा करती थी। नेहरू जी तब उसके प्रश्नों और बातों का उत्तर दिया करते थे। जब लेखक की पुत्री अपने पिता से दूर मसूरी में थी तो उन दोनों की बातचीत नहीं हो सकती थी। अतः लेखक ने बड़े सरल सहज तरीके से कई दुर्लभ जानकारियाँ देने के लिए इस दुनिया की और इस दुनिया के छोटे-बड़े देशों की छोटी-छोटी कथाएँ पत्रों के माध्यम से लिखने का इरादा किया।

व्याकरण- विभाग

*** अपादान कारक :-** संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से किसी वस्तु के अलग होने का बोध हो वहाँ पर अपादान कारक होता है।

हाथ से छड़ी गिर गई।
चूहा बिल से बाहर निकला।
पेड़ से आम गिरा।

*** संबंध कारक :-** संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप की वजह से एक वस्तु की दूसरी वस्तु से संबंध का पता चले उसे संबंध कारक कहते हैं।

राम की किताब, श्याम का घर।
चाँदी की थाली, सोने का गहना।

*** अधिकरण कारक :-** अधिकरण का अर्थ होता है – आधार या आश्रय। संज्ञा के जिस रूप की वजह से क्रिया के आधार का बोध हो उसे अधिकरण कारक कहते हैं।

पुस्तक मेज पर है।
पानी में मछली रहती है।
फ्रिज में सेब रखा है।

* **सम्बोधन कारक :-** संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से बुलाने या पुकारने का बोध हो उसे सम्बोधन कारक कहते हैं।

हे ईश्वर ! रक्षा करो।
अरे ! बच्चो शोर मत करो।
हे राम ! यह क्या हो गया।

लेखन-विभाग

निबंध- पुस्तको का महत्व

पुस्तकें हमारे जीवन में एक महत्वपूर्ण रोल अदा करती हैं क्योंकि पुस्तकों से हमें ज्ञान की प्राप्ति होती है। पुस्तकें हमारी अच्छी मित्र होती हैं एक पुस्तक जितना वफ़ादार और कोई नहीं होता है। एक पुस्तक ज्ञान तो हमें देती ही हैं इससे हमारा अच्छा ख़ासा मनोरंजन भी हो जाता है। इसीलिए पुस्तकों को हमारा मित्र कहना गलत नहीं होगा।पुस्तकें तो प्रेरणा का भंडार होती हैं इन्हें पढ़कर ही हमें जीवन में महान कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। पुस्तक अपने विचारों और भावनाओं को दूसरों तक पहुंचाने का सबसे अच्छा साधन है।

प्राचीन समय में पुस्तकें आसानी से प्राप्त नहीं होती थी उस समय पुस्तक की प्रिंटिंग करना आसान काम नहीं था। उस वक्त ज्ञान का माध्यम केवल वाणी के द्वारा ही किया जाता था। आज के आधुनिक युग में प्रिंटिंग का आविष्कार होने से पुस्तकें आसानी से उपलब्ध हो जाती हैं। हर विषय पर अब जानकारियां हर भाषा में पुस्तकों में प्रकाशित होने लगी हैं।कुसंगति में रहने से तो अच्छा होता है के आप अकेले रहकर पुस्तक पढ़ें जिससे आपको गहरे ज्ञान की प्राप्ति होगी और कुसंगति में रहकर तो आपको बुरे विचार हासिल होंगे। पुस्तक पढने से आपके मन का अन्धकार खत्म होता है और आपके मन में प्रकाश का उजाला पैदा होता है और बदले में हमसे यह कुछ लेती भी नहीं।

पुस्तकें प्रेरणा की भंडार होती हैं । उन्हें पढ़कर जीवन में कुछ महान कर्म करने की भावना जागती है । महात्मा गाँधी को महान बनाने में गीता, टालस्टाय और थोरो का भरपूर योगदान था । भारत की आज़ादी का संग्राम लड़ने में पुस्तकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका थी । मैथलीशरण गुप्त की भारत-भारती पढ़कर कितने ही नौजवानों ने आज़ादी के आदोंलन में भाग लिया था । प्रत्येक छात्र को अच्छी और शिक्षाप्रद पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। इससे विद्यार्थियों के चरित्र-निर्माण पर गहरा असर पड़ता है। इस पुस्तक को पढने से धर्म के मार्ग पर चलने की सीख मिलती है। इसलिए मेरी दृष्टि में "रामचरितमानस" बहुत ही अच्छी पुस्तक है। "रामचरितमानस" में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के चरित्र का वर्णन है। राम एक आदर्श पुरुष थे। वे चौदह वर्ष तक लक्ष्मण व सीताजी सहित वन में रहे। वे एक आदर्श राजा थे। उन्होंने प्रजा की बातों को बहुत महत्व दिया। राम का शासनकाल आदर्शपूर्ण था, इसलिए उनका शासन राम राज कहलाता है। सीता एक आदर्श नारी थीं। लक्ष्मण की भातृभक्ति प्रशासंनीय है।

पुस्तकें चरित्र निर्माण का सबसे अच्छा साधन होती हैं अच्छे विचारों , प्रेरणादायक कहानियों से भरपूर किताबों से देश की युवा पीढ़ी को एक नयी दिशा दी जा सकती है। इनसे ही देश में एकता का पाठ पढ़ाया जा सकता है। इसीलिए पुस्तकें ज्ञान की बहती हुई गंगा हैं जो कभी नहीं थमती। किन्तु देखा गया है के कुछ पुस्तकें ऐसी भी होती हैं जो हमारा गलत मार्ग दर्शन करती हैं इसीलिए हमें ऐसी पुस्तकों को पढने से बचना चाहिए हमेशा ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक पुस्तकें ही पढनी चाहिए ।

* गतिविधि- आपकी पंसदीदा पुस्तक के बारे में लिखिए।

(रामबाल-कथा)
पाठ- ।। लंका विजय

प्रश्न- दिन रात चलकर सेना ने कहाँ पर डेरा डाला?
उत्तर - दिन रात चलकर सेना ने महेंद्र पर्वत पर डेरा डाला ।

प्रश्न- लंकारोहण के लिए किसने और कितने दिनों में पुल तैयार किया?
उत्तर- लंकारोहण के लिए नल ने पाँच दिनों में पुल तैयार किया ।

प्रश्न- राम ने अपनी सेना को कितने भागों में बाँटा था?
उत्तर- राम ने अपनी सेना को चार भागों में बाँटा था ।

प्रश्न- समुद्र ने राम को क्या सलाह दी?
उत्तर - समुद्र ने राम को सलाह दी कि आपकी सेना में नल नाम का एक वानर है जो पुल बना सकता है ।

प्रश्न- मेघनाद कौन था और उसकी क्या विषेशताएँ थीं?
उत्तर- मेघनाद रावण का ज्येष्ठ पुत्र था । वह मायावी था और किसी को दिखाई नहीं पड़ता था । वह छिपकर युद्ध करता था ।

प्रश्न- कुंभकर्ण कौन था?
उत्तर - कुंभकर्ण रावण का भाई था। वह एक महाबली था जो छह महीने सोता था।

प्रश्न- हनुमान कौन सी बूटी लाए?
उत्तर - हनुमान संजीवनी बूटी लाए।

प्रश्न- राम ने किससे विभीषण के राजयभिषेक की तैयारी करने को कहा?
उत्तर- राम ने लक्ष्मण से विभीषण के राजयभिषेक की तैयारी करने को कहा।

प्रश्न- रावण के बाद लंका का राजा किसे बनाया गया?
उत्तर - रावण के बाद लंका का राजा विभीषण को बनाया गया।

प्रश्न-सेना का नेतृत्व कौन कर रहे थे?
उत्तर - सेना का नेतृत्व सुग्रीव के सेनापति नल कर रहे थे।

प्रश्न-समुद्र पार राम के शिविर में अचानक खलबली क्यों मच गई?
उत्तर- विभीषण के जाने पर राम के शिविर में अचानक खलबली मच गई।

प्रश्न-वानर विभीषण को किसके पास ले गए?
उत्तर- वानर विभीषण को सुग्रीव के पास ले गए।

प्रश्न-राम ने समुद्र से क्या विनती की?
उत्तर - राम ने समुद्र से विनती की कि वह उन्हें रास्ता दे दे ।

प्रश्न- राम का बाण रावण को कहाँ लगा?
उत्तर - राम का बाण रावण के मस्तक में लगा।